कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CBKG-003

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र

(सी.बी.के.जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

सी.बी.के.जी.-003 : भारतीय एवं विश्व के विभिन्न कैलेण्डर

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *इस प्रश्नपत्र में* **दो** *खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) भारतीय पञ्चांग का परिचय लिखिए।

(ख) नवविध कालमान का परिचय एवं महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

(ग) कैलेण्डर समिति का प्रयाजन एवं उसके निष्कर्षों का वर्णन कीजिए।

(घ) विश्व के कैलेण्डरों का उद्‌भव एवं विकास लिखिए।

(ङ) जूलियन एवं ग्रेगरियन कैलेण्डर में गणना के आधार का वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. भारतीय पञ्चाङ्ग में ऋतु-क्रम का आधार क्या है ? 5
3. सौर तथा चान्द्र वर्षों के समन्वय की आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए। 5
4. भारतीय नव-वर्ष कब और क्यों मनाया जाता है ? 5
5. कालगणना के आधार पर भारत में कौन-कौन से पर्व मनाए जाते हैं ? 5
6. केवल सूर्य की गति पर आधारित कैलेण्डर कौन-कौन से हं ? 5
7. पञ्चाङ्ग और कैलेण्डर शब्दों का अर्थ क्या है ? 5
8. माया तथा चीन कैलेण्डर किस प्रकार भारतीय कालगणना से प्रभावित है ? 5
9. हिजरी कैलेण्डर का परिचय दीजिए। 5